an>

Title: Need to declare the birth anniversary of Emperor Ashok as a national holiday.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) : अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से राÂष्ट्रीय महत्व का एक विÂषय इस सदन में रखना चाहता हूं। देश में अनेक महापुरुÂषों के नाम से छुट्टियां, कार्यक्रम आदि चलाये जाते हैं। इस देश के निर्माण में भारत के चक्रवर्ती सम्राट अशोक का बहुत बड़ा योगदान है। हम उनके चार सिंहों के मुखों से समर्पित चिह्न को राÂष्ट्रीय चिह्न के रूप में उपयोग करते हैं। जहां धर्मचक्र के रूप में उनका चक्र समर्पित है, उसे हम अपने राÂष्ट्रीय झण्डे में सुशोभित करते हैं। हम बहादुर सैनिकों को उनकी वीरता के लिए सबसे बड़ा सम्मान अशोक चक्र प्रदान करते हैं। इस सम्राट का जन्म 304 ईसा पूर्व हुआ और इनका कार्यकाल ईसा पूर्व 232 से 273 ईसा पूर्व तक माना जाता है। इन्होंने सम्पूर्ण भारत को अफगनिस्तान से लेकर पूर्व में आज के आधुनिक असम अहोम म्यंमार, सुदूर दक्षिण तक फैलाया था। उन्होंने तमाम अच्छे विश्वविद्यालयों की स्थापना की। इन्होंने तक्षशिला बनाया और अहिंसा परमो धर्मा का संदेश देश-दुनिया को दिया। उनके नाम पर कोई एक राÂष्ट्रीय पर्व ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : महेन्द्र नाथ जी, जीरो ऑवर में लंबा भाÂषण नहीं दिया जाता। आप थोड़े शब्दों में अपनी बात कहिए।

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय: मेरा कहना है कि विद्वानों से अभिमत निर्धारित करके उनके नाम पर कोई एक राÂष्ट्रीय पर्व सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि नौजवान सम्राट अशोक के कार्यों से प्रेरणा लेकर देश की एकता और अखंडता के लिए प्रवृत हो सकें और देश में एक अच्छे वातावरण का निर्माण हो सके।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री सी.पी. जोशी, श्री रोड़मल नागर, श्री सुधीर गुप्ता, डॉ. मनोज राजोरिया, कुंवर पुÂपेन्द्र सिंह चंदेल, श्री अर्जुन लाल मीणा, श्री रामचरण बोहरा और श्री अश्विनी कुमार चौबे को डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय द्वारा उठाए गए विÂषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।